Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P970

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 1011
M.A. (Part - I) (Semester - I)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र–1 : सामान्यस्तर: प्राचीन और मध्ययुगीन काव्य
(अमीरखुसरो तथा जायसी)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :–1) अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य
संपादक: डॉ.भोलानाथ तिवारी.
2) पदमावत: मलिक मुहम्मद जायसी
संपादक: वासुदेवशरण अग्रवाल.

वेळ : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अमीर खुसरो की पहेलियों की लोकरंजकता को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

अमीर खुसरो की काव्यकला पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) जायसी ने 'पद्मावत' रचना में सौंदर्य वर्णन किस प्रकार किया है?

अथवा

'पद्मावत' में इतिहास और कल्पना का अनूठा समन्वय है''–सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) अमीर खुसरो के काव्य में सामाजिक जीवन का चित्रण किस प्रकार हुआ है?

अथवा

जायसी ने 'पद्मावत' में प्रकृति के आलंबन एवं उद्दीपन रूपों का चित्रण किस प्रकार किया है? स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) अमीर खुसरो के काव्य में प्रयुक्त ढकोसलों में मनोरंजन;

ख) अमीर खुसरो के गीतों की विशेषताएँ;

ग) 'पद्मावत' की भाषा;

घ) 'पद्मावत' में अलाऊद्दीन की भूमिका ।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) उज्जल बरन अधीनतन,

एक चित्त दो ध्यान।

देखन में तो साधु हैं,

पर निपट पाप की खान।।

अथवा

मुख मेरा चूमत दिन रात।

होठो लगत कहत नहि बात।

जासे मेरी जगत में पत ।

ऐ सखि साजन ना सखी नथ ।।

ख) चित्रा मित मीन घर आवा। कोकिल पीउ पुकारत पावा।।

स्वाती बूँद चातिक मुख परे। सीप समुंद्र मोति लै भरे।।

सरवर सँवरि हँस चलि आए। सारस कुरूरहिं खंजन देखाए।।

भए अवगास कास वन फूले। कंत न फिरे विदेसहि भूले।।

अथवा

जौ लहि अहै पिता कर राजू । खेलि लेहु जौ खेलहु आजु।।

पुनि सासुर हम गौनब काली। कित हम कित एह सरवर पाली।।

कित आवन पुनि अपने हाथाँ। कित मिलि कै खेलब एक साथा।।

सासु ननद बोलिह जीउ लेही । दारून ससुर न आवैं देही।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P971

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 1012
M.A. (Part - I) (Semester - I)
(HINDI) (हिंदी)
प्रश्नपत्र 2 : विशेषस्तर
आधुनिक हिंदी कथा साहित्य
(उपन्यास और कहानी)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *1) कलि –कथा :वाया बाइपास–अलका सरावगी*

2) हिंदी की श्रेष्ठ कहानियाँ –संपा.डॉ.सुरेश बाबर डॉ. विठ्ठल सिंह ठाकरे

सयम : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'हंसा जाई अकेला' कहानी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'यही मेरा वतन' कहानी का तात्विक विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) 'कलि–कथा: वाया बाइपास' उपन्यास की संक्षिप्त कथावस्तु बताते हुए उददेश्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कलि–कथा: वाया बाइपास' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 3) कहानी तत्वों के आधार पर 'लिटरेचर' कहानी की समीक्षा कीजिए।

अथवा

शांतनु के चरित्र–चित्रण को अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) 'सजा' कहानी का उद्देश्य;

ख) 'पुरस्कार' कहानी के शीर्षक की सार्थकता;

ग) किशोर बाबू का चरित्र–चित्रण;

घ) 'कलि–कथा : वाया बाइपास' उपन्यास की भाषाशैली।,

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''अदिति अपने पापा को दुनिया का सबसे अच्छा आदमी समझती है। वे कितनी रूचि लेते हैं अदिति की हर बात में, हर जिज्ञासा में, हर घटना और विचार में। अदिति को लगता है उसके पापा के पास अलादीन का चिराग है, जो उसके हर सवाल पर एक मखमली रोशनी डालता हैं।''

अथवा

''मुझे विश्वास है, तुम मेरी जन्म –जन्मान्तर की जननी ही रहोगी मैं तुमसे दूर कहाँ जा सकता हूँ? माँ! जब तक पवन साँस लेता है, सूर्य चमकता है, समुद्र लहराता है तब तक कौन मुझे तुम्हारी करूणामयी गोद से दूर खींच सकता है?''

ख) ''कैसा सुनहरा दिन था वह पचास साल पहले। सोने का सूरज उगा था उस दिन भारत के आकश पर । वे एक टँक्सी में माँ, शांताभाभी और नई –नवेली सरोज–तीनों को बैठकर घुमाने ले गए थे। जब उन्होंने एक तिरंगा झंडा टँक्सी के हुड पर खरीद कर लगाया, तो हृदय कैसे अभिमान से फटकर बाहर निकलने आने को हो रहा था।''

अथवा

''मैं तुम्हें बाइपास करके कैसे आगे की जिंदगी की तरफ बढ़ता किशोर? जब हमारी दुनिया के सारे बाइपास के रास्ते बंद हो गए, तो फिर मेरे पास यहां आने के सिवाय और क्या चारा था?''

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P972

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 1013

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र–3 : विशेषस्तर

भारतीय साहित्यशास्त्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय: 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) रस निष्पत्ति संबंधी भट्टनायक और अभिनव गुप्त द्वारा दी गई व्याख्याओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

भरतमुनि के रससूत्र को स्पष्ट करते हुए करूण रस के आस्वाद पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) ध्वनि का स्वरूप स्पष्ट करते हुए ध्वनि सिद्धान्त का महत्व विशद कीजिए।

अथवा

ध्वनि शब्द की व्युत्पत्ति को बताते हुए ध्वनि और स्फोट सिद्धान्त पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए आ. कुन्तक पूर्व वक्रोक्ति विचारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

औचित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए औचित्य के भेदों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) अलंकारों का मनोवैज्ञानिक आधार स्पष्ट कीजिए।

ख) अलंकार और रस पर प्रकाश डालिए।

ग) रीति के भेदों का परिचय दीजिए।

घ) रीति और गुणों की तुलना कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) साधारणीकरण की अवधारणा;

ख) रीति सम्प्रदाय;

ग) ध्वनि के आधार पर काव्य के भेद;

घ) वक्रोक्ति का महत्व।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P973

[Total No. of Pages : 8

[5202]-1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)

अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional - I)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

पाठ्यपुस्तक :– *कबीर ग्रंथावली*

संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1)* *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।*

प्रश्न 1) कबीर का समाज दर्शन समझाइए।

अथवा

कबीर के ब्रह्म तथा जगत् संबंधी विचार लिखिए।

प्रश्न 2) कबीर के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कबीर' विद्रोही कवि हैं? कथन की समीक्षा कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 3) कबीर के निर्गुण राम का परिचय दीजिए।

अथवा

कबीर की गुरू भक्ति पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्निलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) कबीर की भक्ति भावना की विशेषताएँ लिखिए।

ख) कबीर काव्य में वर्णित प्रेम तत्व विशद करें।

ग) निर्गुण भक्ति की विशेषताएँ लिखिए।

घ) कबीर की उलटबांसी शैली स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित उद्धरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) प्रेम न खेती नींपजे, प्रेम न हाटि बिकाइ।
राजा परजा जिस रूचै, सिर दे सो ले जाइ।।

अथवा

बहुत दिन की जोवती, बाट तुम्हारी राम।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ, मनि नाहीं विश्राम।।

ख) सतगुरू की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार।
लोचन अनंत उघाडिया, अनंत दिखावणहार।।

अथवा

कुल खोया कुल ऊबरै, कुल राख्यो कुल जाइ।
राम निकुल कुल भेंटि लै, सब कुल रहया समाइ।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

P973

[5202]-1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - II)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

पाठ्यपुस्तकें :– *i) श्रीरामचरितमानस :– अयोध्याकांड*

ii) विनयपत्रिका :– संपादक वियोगी हरि

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

तुलसीदास के दार्शनिक विचारों का विवेचना कीजिए।

प्रश्न 2) विनयपत्रिका में वर्णित विषयों की चर्चा कीजिए।

अथवा

विनयपत्रिका के कला पक्ष पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) हिंदी साहित्य में तुलसीदास का स्थान रेखांकित कीजिए।

अथवा

विनयपत्रिका का हेतु विशद कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

क) रामचरितमानस के आधार पर 'राम' का चरित्र – चित्रण कीजिए।

ख) तुलसी की भक्तिभावना पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

ग) विनयपत्रिका में व्यक्त भक्ति की विशेषताओं को उजागर कीजिए।

घ) विनयपत्रिका की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

च) सुनत राम गुन ग्राम सुहाए। भरद्वाज मुनिबर पहिं आए।।
दंड प्रनामु करत मुनि देखे । मूरतिमंत भाग्य निज लेखे।।
धाइ उठाइ लाइ उर लीन्हे । दीन्हि असीस कृतारथ कीन्हे।।
आसनु दीन्ह नाइ सिरू बैठे। चहत सकुच गृहँ जनु भजि पैठे।।
मुनि पूँछब कछु यह बड़ सोचू । बोले रिषि लखि सीलु सँकोचू।।
सुनहू भरत हम सब सुधि पाई। बिधि करतब पर किछु न बसाई।।

अथवा

सुमिरत भरतहि प्रेमु राम को। जेहि न सुलभु तेहि सरिस बाम को।।
देखि दयाल दसा सबही की । राम सुजान जानि जन जी की।।
धरम धुरीन धीर नय नागर। सत्य सनेह सील सुख सागर।।
देसु कालु लखि समउ समाजू। नीति प्रीति पालक रघुराजू।।
बोले बचन बानि सरबसु से । हित परिनाम सुनत ससि रसु से।।
तात भरत तुम्ह धरम धुरीना। लोक बेद बिद प्रेम प्रबीना।।

छ) मेरो भलो कियो राम अपनी भलाई।
हौं तो साई–द्रोही, पै सेवक –हित साइ।।
राम–सो बड़ो है कौन, मो सो कौन छोटो।
राम– सो खरो है कौन, मो सो कौन खोटो।

अथवा

भयेहूँ उदास राम, मेरे आस रावरी।
आरत स्वारथी सब कहैं वावरी।।
जीवन को दानी घन कहा त्ताहि चाहिए।
प्रेम–नेम के निवाहे चातक सराहिए।।
मीन तें न लाभ–लेस पानी पुन्य पीन को।
जल बिनु थल कहा मीचु बिनु मीन को।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

P973

[5202]-1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)

(2013 Pattern) (Credit System)

इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार सुरेंद्र वर्मा

पाठ्यपुस्तकें :– *i) सेतुबंध*

ii) सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक

iii) आठवाँ सर्ग

iv) रति का कंगन ।

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) नाटक का स्वरूप तथा पाश्चात्य तत्वों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सुरेंद्र वर्मा का नाट्य चिंतन स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'सेतुबंध' नाटक में चित्रित समस्याएँ लिखिए ।

अथवा

नाटक के तत्वों के आधार पर 'आठवाँ सर्ग' नाटक की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 3) 'रति का कंगन' नाटक के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

'सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक' नाटक की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) रंगमंचीयता की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

ख) 'सेतुबंध' नाटक का उद्देश्य लिखिए।

ग) 'रति का कंगन' नाटक के शीर्षक की सार्थकता समझाइए।

घ) 'सुरेंद्र वर्मा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित उद्धरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) किसी को पहचानने के लिए समय का लंबा फैलाव अनिवार्य नहीं है। मैंने माँ को जितना कुछ देखा है, उससे मुझे तो ऐसा कोई संदेह नहीं हुआ .....

अथवा

ऐसा उन्मादी यौवन जो अकेले में तुम्हें पा ले, तो मर्यादा की लौह श्रृखलाएँ कमलतंतुओं की तरह चिन्दी – चिन्दी हो जाए .....

ख) शासन स्वयं चलकर ऐसे रचनाकार का अभिनंदन करने आएगा, जिसकी लोकप्रियता की जड़े देश के इस छोर से उस छोर तक के नागरिकों के मन में बहुत गहरे पैठ गई है।

अथवा

अनुभव और ज्ञान अधूरा क्यों रहना चाहिए? चितंन की सार्थकता तभी है,जब वह अपनी संपूर्णता प्राप्त करें।

○○○

Total No. of Questions : 5]

P973

[5202]-1014

M.A. (Part - I) (Semester - I)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र – 4 : विशेष स्तर (वैकल्पिक)

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional Paper - IV)

महत्वपूर्ण सूचना :– *निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।*

ई) विशेष साहित्यकार : कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

पाठ्यपुस्तकें :– *i) कुरूक्षेत्र*
ii) उर्वशी
iii) हुंकार
iv) बापू

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ *:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न 1) 'कुरूक्षेत्र' के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'उर्वशी' काव्य के आधार पर 'उर्वशी' का चरित्र – चित्रण कीजिए।

प्रश्न 2) 'हुंकार' काव्य में राष्ट्रीय चेतना व्यक्त हुई है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

'बापू' कविता का भावार्थ लिखिए।

प्रश्न 3) दिनकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

पठित रचनाओं के आधार पर दिनकर के प्रगतिवादी विचारधारा को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) 'कुरूक्षेत्र' काव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र –चित्रण कीजिए।

ख) 'उर्वशी' काव्य की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए।

ग) 'हुंकार' काव्य की संवेदना स्पष्ट कीजिए।

घ) 'बापू' काव्य के आधार पर 'वज्रपात' अंश का आशय बताइए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

च) पितामह कह रहे कौन्तेय से रण की कथा हैं,
विचारों की लड़ी में गूँथते जाते व्यथा हैं।
हृदय – सागर मथित होकर कभी जब डोलता है,
छिपी निज वेदना–गंभीर नर भी बोलता है।

अथवा

''प्राणेश्वरी! मिलन सुख को, नित होकर संग वरें हम,
मधुमय हरियाले निकुंज में आजीवन विचरें हम।''

छ) जड़ को उड़ने की पाँख दिये देता हूँ,
चेतन के मन को आँख दिये देता हूँ।
दौड़ा देता हूँ तरल आग नस नस में,
रहने देता बल को न बुद्धि के वश में।

अथवा

तू चला, लोग कुछ चौंक पड़े,
तूफान उठा या आँधी है?
ईसा की बोली रूह, अरे!
यह तो बेचारा गाँधी है।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P974

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 2011

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र–5 : सामान्यस्तर : मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी तथा भूषण)

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– 1) सूरदास: भ्रमरगीतसार–संपा.आचार्य रामचंद्र शुक्ल

2) बिहारी रत्नाकर: श्री जगन्नाथ 'रत्नाकर'

3) रीतिकाव्यधारा: संपा. डॉ.रामचंद्र तिवारी /डॉ. रामफेर त्रिपाठी.

वेळ : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) सूर के वियोग वर्णन की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

भ्रमरगीत में वर्णित प्रकृति चित्रण के विविध रूपों का सोदाहरण परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) बिहारी के श्रृँगारेतर काव्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

मुक्तककार कवि के रूप में बिहारी का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) भूषण काव्य के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

भूषण के सौंदर्यवर्णन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:

क) सूर की गोपियों की विशेषताएँ लिखिए।

ख) बिहारी की भाषाशैली पर प्रकाश डालिए।

ग) भूषण कालीन राजनीतिक परिस्थिति को स्पष्ट कीजिए।

घ) सूर के भ्रमरगीत की विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) ''बरू वै कुब्जा भलो कियो।

सुनि सुनि समाचार ऊधो मो कछुक सिरात हियो।।

जाको गुन,गति,नाम, रूप हरि हारयो, फिरि न दियो।

तिन अपनी मन हरत न जान्यो हँसि हँसि लोग जियो।।

सूर तनक चंदन चढाय तन ब्रजपति बस्य कियो।

और सकल नागरि नारिन को दासी दाँव लियो।।

ख) लाज–लगाम न मानहीं, नैना मो बस नाँहि।

ए मुँहजोर तुरँग ज्यौं, ऐंचत हूँ चलि जाँहि।।

ग) कामिनि कंत सों जामिनिचंद सों, दामिनि पावस मेघ घटासो।

कीरति दान सों सूरतिज्ञान सों प्रीति बड़ी सनमान महासों।।

भूषण भूषन सो तरूनि नलिनी नव पूषनदेवप्रभा सों।

जाहिर चारिहु ओर जहान लसै हिंदुआन खुमान सिवा सों।।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P975

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 2012

M.A. (Part - I) (Semester - II)

(HINDI) हिंदी

प्रश्नपत्र–6 : विशेष स्तर

आधुनिक हिंदी नाटक और निबंध

(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– 1) नाटक 'अभंग–गाथा' : डॉ. नरेंद्र मोहन

2) निबंध माला.संपा : डॉ.सुरेश बाबर

डॉ. नीला बोर्वणकर

वेळ : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) नाटक तत्वों के आधार पर 'अभंग गाथा' नाटक की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'अभंग गाथा' नाटक के स्त्रीपात्रों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) 'उत्साह' निबंध के केंद्रिय भाव को लिखिए।

अथवा

'पानी है अनमोल' निबंध की वैचारिकता को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) 'अभंग गाथा' नाटक की शित्थगत विशेषताओं को लिखिए।

अथवा

'कलाकार का सत्य' निबंध के उददे्श्य को लिखिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) 'अभंग गाथा' नाटक का फतेह खाँ।

ख) 'अभंग गाथा' नाटक का देशकाल एवं वातावरण।

ग) 'पुस्तकालय : सन्त मिलन का उत्तम मार्ग' निबंध का संदेश।

घ) 'संस्कृति क्या है'? निबंध का उददे्श्य।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''हाँ...., उस बेचारी को तो दमे का रोग है। कुछ दिनों की मेहमान है । अरे, क्या मैं ही मिट्टी का लौंदा हूँ जिसे जब चाहो, जैसा चाहो, मोड लो।''

अथवा

''मैं पड़ा रहूँगा यहाँ, इसी शिला पर। तड़पता रहूँगा। भिगोता रहूँगा इस शिला को अपने आँसुओं से, जब तक सत्य का प्रकाश मेरे भीतर नहीं उतरता।''

ख) ''परंतु यह विकल नीलकंठ मुझे संकेत देता है कि बुनियादी वेदना है नैतिक और आत्मिक वेदना। नैतिक और आत्मिक वेदनाओं का बोध ही गम्भीरतर दु:ख का बोध है।''

अथवा

''सूरज निकलता और अस्त हो जाता है, चाँद घटता और बढ़ता है, किन्तु ताज की वह नव–नूतनता आज भी विद्यमान है, शताब्दियों से बहने वाले आँसू ही उस सुन्दर समाधि को धो–धोकर उसे उज्जल बनाये रखते हैं''

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P976

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 2013

M.A. (Part - I) (Semester - II)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 7 : विशेषस्तर – पाश्चात्य साहित्यशास्त्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्लेटो के काव्य सिद्धान्त का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अरस्तू के अनुकरण सिध्दान्त का परिचय दीजिए।

प्रश्न 2) उदात्त सिद्धान्त की व्याख्या देते हुए काव्य में उदात्त के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आई.ए.रिचर्डस् का मनौवैज्ञानिक मूल्यवाद विशद कीजिए।

प्रश्न 3) इलियट के निर्वैयक्तिकता सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पाश्चात्य साहित्यशास्त्र में इलियट के योगदान का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:

क) यथार्थवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ख) सौदंर्यशास्त्रीय आलोचना का विवेचन कीजिए।

ग) अभिव्यंजनावाद का परिचय दीजिए।

घ) तुलनात्मक आलोचना का महत्व लिखिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) विरेचन सिद्धान्त;

ख) संप्रेषण सिद्धान्त का महत्व;

ग) इलियट का योगदान;

घ) मार्क्सवादी आलोचना।

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P977

[Total No. of Pages : 8

[5202] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र. - 8 विशेष स्तर: वैकल्पिक विशेष विधा तथा अन्य
(2013 Pattern) (Optional)

महत्वपूर्ण सूचना: निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

क) हिंदी उपन्यास

ख) हिंदी यात्रा साहित्य: स्वरूप और विकास

ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

घ) हिंदी दलित साहित्य

समय : 3 घंटे] क) हिंदी उपन्यास *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तके :– i) चित्रलेखा: भगवती चरण वर्मा

ii) गोदान : प्रेमचंद

iii) अलग –अलग वैतरणी : शिवप्रसाद सिंह

iv) परिशिष्ट गिरिराज किशोर

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) 'चित्रलेखा' उपन्यास की कथावस्तु स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'गोदान' उपन्यास में किसानों के जीवन का सजीव चित्रण किया है'– कथन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'अलग–अलग वैतरणी' उपन्यास भारतीय ग्रामीण परिवेश की जटिल समस्याओं को चित्रित करता हैं –कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'परिशिष्ट' उपन्यास में चित्रित दलित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) 'उपन्यास' विधा का स्वरूप स्पष्ट कर उपन्यास के तत्वों का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी उपन्यासों की विविध प्रवृत्तियों का परिचय देते हुए सामाजिक और ऐतिहासिक प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) 'गोदान' के स्त्री पात्र.

ख) 'अलग –अलग वैतरणी' शीर्षक की सार्थकता.

ग) 'चित्रलेखा' उपन्यास की भाषा.

घ) 'परिशिष्ट' उपन्यास का वातावरण.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) ''धनिया ने तिरस्कार किया – अच्छा रहने दो, मत असुभ मुँह से निकालो। तुमसे कोई अच्छी बात भी कहे, तो लगते हो कोसने।''

अथवा

''चित्रलेखा ने बीजगुप्त को पत्र लिखा/दासी को उसने आज्ञा दी कि सन्ध्या समय तक न लौटे, तो वह पत्र बीजगुप्त को दे दिया जाए।''

ख) ''कल्पू जग रहा था और वह उसकी बातें सुन रहा था। मगर वह कुछ न बोला। दुलहिन को लगा कि आदमी जिद्दी है। वह चुपचाप मन मारे अँधेरे कमरे की दीवालों को हेरती रही।''

अथवा

''मैं जो कुछ कह सकूँगा, जरूर कहूँगा। करना उनके हाथ में है। मैं आपको यह विश्वास दिलाए देता हूँ कि पूरे सकून और पूरी जिम्मेदारी के साथ कहूँगा। आप पर अहसान करने के लिए नहीं, अपने संतोष के वास्ते।''

Total No. of Questions : 5]

P977

[5202] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र. - 8 विशेषस्तर: वैकल्पिक
(2013 Pattern) (Optional)
ख) हिंदी यात्रा साहित्य: स्वरूप और विकास

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तके :– *1) मेरी जीवन यात्रा, भाग 2 राहुल सांस्कृत्यायन*

2) एक बूँद सहसा उछली: सच्चिदानंद वात्स्यायन

3) चीड़ो पर चाँदनी: निर्मल वर्मा

4) सूर्य मंदिरों की खोज में :श्यामसिंह शशि

सूचनाएँ :– *1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) यात्रा साहित्य का अन्य गद्य विधाओं से संबंध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

यात्रा साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) ''मेरी जीवन यात्रा, भाग 2'' में राहुल सांस्कृत्यायन का 'घुमक्कड' और पर्यटनशील स्वभाव का दर्शन होता हैं'– कथन को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'एक बूँद सहसा उछली' यात्रा–विवरण धार्मिक तिर्थयात्रा न होकर मनुष्य के अनुभवों की वृद्धि था'–स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) 'चीड़ो पर चाँदनी' में चित्रित आध्यात्मिक व्याकुलता को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सुर्य मंदिरों की खोज में' की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) द्विवेदी युगीन यात्रा साहित्य;

ख) 'चीड़ों पर चाँदनी' और सामाजिकता;

ग) 'मेरी जीवन यात्रा, भाग 2' की विशेषताएँ;

घ) 'एक बूँद सहसा उछली' और मनुष्यता।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) ''..... तो नेपाल ही नहीं हिंदुस्तान की भी चीजें इसी रास्ते तिब्बत जाया करती थी.''

अथवा

''मुझे कहा गया कि नैतिक आपत्ति न होने पर मुझे 'हायो' में अवश्य जाना चाहिए।''

ख) ''पता नहीं कब हम कमरे में पहुँचे। लगा था, जैसे बिस्तर पर लेटने से पहले ही बर्लिन की थकान और कोपनहेगन की बीयर ने हमें ग्रस लिया हो''।

अथवा

''आज ये भग्न मंदिर सूर्यवंशों के खण्डहर हैं और विश्व की संस्कृतियों के उत्थान – पतन के जीते जागते इतिहास है।''

Total No. of Questions : 5]

P977

[5202] - 2014
M.A. (Part - I) (Semester - II)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र. - 8 विशेषस्तर: (वैकल्पिक)
(2013 Pattern) (Credit System) (Optional)

ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ:– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1) अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हिंदी भाषा के विविध रूपों को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) विज्ञापन का स्वरूप एवं प्रकार बताकर भाषिक विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

कार्यालयीन हिंदी का स्वरूप बताकर प्रमुख प्रकारों की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 3) 'कम्प्यूटर का परिचय देकर विविध क्षेत्रों में कम्प्यूटर का योगदान स्पष्ट कीजिए।

अथवा

समाचारपत्र के लिए लेखन के प्रकारों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) रेडिओ लेखन के सिद्धांतों का परिचय दीजिए।

ख) टेलिव्हिजन के लिए विज्ञापन लेखन का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

ग) वृत्तचित्र लेखन का परिचय दीजिए।

घ) समीक्षा लेखन का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) राजभाषा हिन्दी: संवैधानिक प्रावधान।

ख) साहित्यानुवाद और उसकी समस्याएँ।

ग) कम्प्यूटर और भाषा प्रयोग।

घ) पारिभाषिक शब्दावली परिभाषा एवं विशेषताएँ

Total No. of Questions : 5]

P977

[5202] - 2014

M.A. (Part - I) (Semester - II)

हिंदी (HINDI)

प्रश्नपत्र. - 8 विशेषस्तर: वैकल्पिक

(2013 Pattern) (Credit System) (Optional)

घ) हिंदी दलित साहित्य

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

पाठ्यपुस्तके :–
1) *जस तस भई सबेर – सत्यप्रकाश*
2) *जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि*
3) *नयी सदी की पहचान:श्रेष्ठ दलित कहानियाँ सम्पा – मुद्राराक्षस*
4) *गूँगा नहीं था मैं – जय प्रकाश कर्दम.*

सूचनाएँ :–
1) *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
2) *सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।*

प्रश्न 1) हिंदी दलित साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

दलित साहित्य के प्रेरणास्त्रोत और उनका प्रभाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) 'जस–तस भई सबेर' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

अथवा

'जूठन' के आधार पर दलित जनजीवन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) ''नई सदी की पहचान: श्रेष्ठ दलित कहानियाँ'' का सामाजिक पक्ष स्पष्ट करें।

अथवा

'गूंगा नहीं था मैं' काव्य संकलन की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) दलित साहित्य का कला पक्ष;

ख) रैदास और दलित साहित्य;

ग) 'जस –तस भई सबेर' उपन्यास का कला पक्ष;

घ) 'गूँगा नहीं था मैं' और समाज।

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।

क) ''अरे हंसा, मुर्ख मत बनो। दिमाग से काम लो, पूजा–पाठ में कुछ नहीं रखा। इससे पुजारियों, भगतों और शोषकों को छोड़कर और किसी व्यक्ति को कोई लाभ आज तक नहीं हुआ है और न कभी होगा।''

अथवा

''मेरा रोम–रोम भय से काँप रहा था । मेरे मन में दहशत भर गई थी। लग रहा था जैसे शरीर का तमाम रक्त किसी ने सोख लिया है। इस घटना के बाद अक्सर डरावने सपने आने लगे थे। हर पल डर समाया रहता था। इन दिनो में, मैं अंतर्मुखी होने लगा था। किसी से भी बात करने की इच्छा नहीं होती थी।''

ख) ''फिर भी अब बात मूँह से निकल ही गई है। वापस आ नहीं सकती। तबाही तो होगी, लेकिन इससे निपटना ही पड़ेगा। जरूरत पड़ी तो पड़ोस की जमींदारियों से भी कुछ लठैत मंगा लेंगे।''

अथवा

''जातीय अहं के खूंटे

उनकी चीत्कारों पर गूंजे है अट्टास

मारी गयी है खाली पेटों पर जूतों की ठोकरें।''

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P978

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 3011
M.A. (Semester - III)
हिंदी (HINDI)
प्रश्नपत्र 9 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य–1
(महाकाव्य तथा खण्डकाव्य)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– 1) कामायनी –जयशंकर प्रसाद

2) गोपा गौतम – डॉ. जगदीश गुप्त

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) कामायनी के आधार पर मनु का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'कामायनी रूपक काव्य है' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2) गोपा–गौतम का उद्देश्य प्रतिपादित कीजिए।

अथवा

'गोपा गौतम में यशोधरा (गोपा) का माता – रूप की अपेक्षा नारी – रूप प्रधान हैं।' स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कामायनी की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

गोपा गौतम की कथावस्तु लिखिए ।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए:

क) कामायनी की श्रद्धा।

ख) कामायनी का महाकाव्यत्व।

ग) गोपा – गौतम के गौतम का मानसिक संघर्ष

घ) गोपा गौतम खंडकाव्य में चित्रित वातावरण को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) ''नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अधखुला अंग खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघबन बीच गुलाबी रंग। आह वह मुख । पश्चिम के व्योम बीच जब घिरते हो घनश्याम अरूण रवि–मंडल उनको भेद दिखाई देता हो छविधाम।''

अथवा

''समरस थे जड़ या चेतन सुंदर साकार बना था, चेतनता एक विलसती आनंद अखंड घना था।''

ख) ''तुम नारी हो
तुमने राहुल को ही जन्म नहीं दिया
अपने व्यक्तित्व से
आज तुमने मेरे भीतर
एक बुद्ध को जन्म दे रही हो।''

अथवा

''पुत्र, पुत्र हो पुत्र
यही चिंता थी मन में।
बिना पुत्र था सारहीन
सब कुछ जीवन में।''

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P979

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 3012

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 10 : विशेष स्तर – भाषा विज्ञान

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) भाषा की परिभाषा स्पष्ट करते हुए भाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

भाषा विज्ञान की परिभाषा देकर भाषा विज्ञान की अध्ययन की दिशाएँ विशद कीजिए।

प्रश्न 2) स्वनविज्ञान की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उनकी शाखाओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

व्यंजन वर्गीकरण को विस्तार से समझाइए।

प्रश्न 3) रूप विज्ञान की परिभाषा देकर रूप के भेद स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वाक्य विज्ञान की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) अर्थ परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

ख) वाक्य के भेद स्पष्ट कीजिए।

ग) भाषा विज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

घ) स्वनिम की विशेषताएँ विशद कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्ही दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) वाक्य विश्लेषण

ख) शब्द और अर्थ का संबंध

ग) स्वनिम की विशेषताएँ

घ) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P980

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 3013

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 11 : विशेष स्तर – हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भाक्तिकाल, रीतिकाल तक)

(2013 Pattern)

समय: 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आदिकालीन सिद्ध एवं नाथ साहित्य का परिचय दीजिए।

अथवा

आदिकालीन रासो साहित्य के स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) सगुण भक्ति साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी प्रमुख काव्य – शाखाओं का परिचय दीजिए।

अथवा

कबीर और तुलसीदास के परिप्रेक्ष्य में भक्तिकालीन साहित्य की सामाजिक उपादेयता स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) रीतिकाल का नामकरण एवं नामकरण के आधार का विवेचन कीजिए।

अथवा

रीतिकाल की प्रष्ठभूमि का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) जैन साहित्य का परिचय दीजिए।

ख) हिंदी के प्रमुख सूफी कवियों का परिचय दीजिए।

ग) कवि रहीम के काव्य का परिचय दीजिए।

घ) घनानंद के साहित्यिक योगदान को स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आदिकालीन नाथ साहित्य।

ख) मीराबाई

ग) संत कबीर

घ) रीतिकालीन भक्ति साहित्य

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P981

[Total No. of Pages : 6

[5202] - 3014

M.A. (Semester - III)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 12 : विशेषस्तर – वैकल्पिक

अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) आलोचना की परिभाषा देते हुए,उसके उद्देश्य को विवेचित कीजिए।

अथवा

हिंदी आलोचना के विकासक्रम के आधार पर आलोचना तथा सर्जनशील साहित्य को विश्लेषित कीजिए।

प्रश्न 2) आ.रामचंद्र शुक्ल जी की आलोचना पध्दती एवं विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3) डॉ. नगेंद्र की आलोचना पध्दति एवं स्वरूप को विशद कीजिए।

अथवा

आलोचक रामविलास शर्मा का परिचय दीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए।

क) आलोचक डॉ. नामवर सिंह जी परिचय संक्षेप में लिखिए ।

ख) 'विखंडन' का अर्थ संक्षेप में लिखिए ।

ग) समकालीन आलोचना की विशेषताएँ लिखिए।

घ) डॉ. नामवर सिंह के किन्हीं दो ग्रंथो का परिचय दीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) आ. नंददुलारे वाजपेयी।

ख) शुक्लपूर्व आलोचना।

ग) आ. हजारीप्रसाद द्विवेदी की आलोचना पध्दति ।

घ) अंतर्विरोध।

Total No. of Questions : 5]

P981

[5202] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 12 : विशेषस्तर : वैकल्पिक
आ) अनुवाद विज्ञान
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुवाद की प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अनुवाद की परिभाषा देते हुए उसके स्वरूप की मीमांसा कीजिए।

प्रश्न 2) अनुवाद और भाषा विज्ञान के अंगो प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

विधा के आधार पर अनुवाद के भेद विशद कीजिए।

प्रश्न 3) वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद की समस्याएँ स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वैज्ञानिक अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी व्याप्ति को स्पष्ट विवेचित कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) मुहावरो का अनुवाद किस प्रकार से किया जाता है।

ख) शब्दानुवाद की आवश्यकता का परिचय दीजिए।

ग) कंप्युटर अनुवाद की आवश्यकता स्पष्ट कीजिए।

घ) पद्यानुवाद की समस्याएँ स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) भावानुवाद।

ख) अनुवाद के कार्य में सहायक साधन।

ग) अर्थयोग की आवश्यकता।

घ) कार्यालयीन अनुवाद।

Total No. of Questions : 5]

P981

[5202] - 3014
M.A. (Semester - III)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी
(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) जनसंचार माध्यम के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए सूचना – प्रौद्योगिकी के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

अथवा

भारतीय संचार तकनीकी की विकासमूलक भूमिका का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) जनसंचार माध्यमों के लिए लिखे गए साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा

पत्रकारिता का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भारत में उसके आरंभ को लिखिए।

प्रश्न 3) समाचार पत्रों के विभिन्न स्तंभों का विवेचन कीजिए।

अथवा

संपादन कला के सामान्य सिद्धांतो का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) हिंदी पत्रकारिता के उद्भव एवं विकास को स्पष्ट कीजिए।

ख) मुक्त प्रेम की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

ग) जनसंचार माध्यामों में साहित्य का महत्व स्पष्ट कीजिए।

घ) जनसंचार माध्यमों का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) जनशिक्षा का भाषा रूप

ख) इलेक्ट्रॉनिक अंतरग्रंथन

ग) भारतीय संचार तकनीकी का इतिहास

घ) भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P982

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 4011
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
HINDI (हिंदी)
प्रश्नपत्र 13 : सामान्य स्तर – आधुनिक काव्य – 2
(विशेष कवि कुँवर नारायण तथा नई कविता)
(2013 Pattern) (Credit System)

पाठ्यपुस्तकें :– *1) विशेष कवि कुँवर नारायण*
संपा – डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. नीला बोर्वणकर
2) नई कविता
संपा – डॉ. सुरेश बाबर, डॉ. अलका पोतदार

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) कुँवर नारायण की कविताओं के कथ्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कुँवर नारायण के काव्य की शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 2) लीलाधर जगूडी की कविताओं में व्यक्त सामाजिक समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'उदय प्रकाश की कविताएँ नई पीढ़ी के लिए आशावादी कविताएँ हैं' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 3) कुँवर नारायण की कविता में व्यक्त आधुनिक बोध स्पष्ट कीजिए।

अथवा

दामोदर मोरे की कविता में व्यक्त सामाजिक पीडा को उद्घाटित कीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणीयाँ लिखिए:

क) कुँवर नारायण कृत 'रंगों की हिफाजत' की संवेदना

ख) कुँवर नारायण के काव्य में बिंब विधान

ग) कात्यायनी कृत 'बुजुर्ग राहगीर की कविता' की प्रतीकात्मकता

घ) उदय प्रकाश कृत 'पिता' की भाव संवेदना।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए:

क) घर से निकलते
सडकों पर चलते
बसों पर चढ़ते
ट्रेनें पकडते
जगह बेजगह कुचला पड़ा
पिद्दी–सा जानवर नहीं
अगर बचा रहा तो
कृतज्ञतर लौटूँगा।

अथवा

धृतराष्ट्र अंधे।
विदुर –नीति हुई फेल।
धर्मराज धूर्तराज दोनों जुआड़ी
पासे खनखनाते हुए
राजनीति में शकुनी का प्रवेश।

ख) तर्क को सैकड़ो फुट नीचे
दफन कर सकती है आस्था,
इतिहास की कपाल – क्रिया कर
अपने तथ्य गढ़ सकती है।
आस्था केवल बहुमत का
अधिकार होती है ।

अथवा

बम नहीं होता हिंदू
बम नहीं होता इस्लाम
बम लेके आता है
हरेक की मौत का पैगाम।
बम न हारा होता है
न भगवा होता है
बम से मरने वालों का लहू
लाल ही होता है।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P983

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 4012

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 14 : विशेष स्तर – हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) प्राचीन भारतीय आर्य भाषाओं को विशद कीजिए।

अथवा

भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण हार्नली, ग्रियर्सन, चटर्जी और बाहरी ने किस प्रकार किया है? विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) अपभ्रंश और पुरानी हिंदी के पारस्परिक संबंध को विशद कीजिए ।

अथवा

हिंदी के लिंग, वचन और कारक व्यवस्था को समझाइए।

प्रश्न 3) देवनागरी लिपि के उद्‌भव और विकास का परचिय दीजिए।

अथवा

हिंदी प्रसार के आंदोलन में विविध संस्थाओं के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय दीजिए।

ख) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

ग) हिंदी की बोलियों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।

घ) हिंदी के अव्ययों के विकास का परिचय दीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) प्राकृत का सामान्य परिचय

ख) पूर्वी हिंदी

ग) समास

घ) ब्राह्मी लिपि

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P984

[Total No. of Pages : 2

[5202] - 4013

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

हिंदी (HINDI)

प्रश्नपत्र – 15 : विशेष स्तर – हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

(2013 Pattern) (Credit System)

समय : 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) हिंदी कहानी साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी नाटक और रंगमंच के विकास में भारतेंदु हरिचंद्र के योगदान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) छायावादी काव्य की समृध्दि में उसके प्रमुख कवियों के योगदान का विवेचन कीजिए।

अथवा

हिंदी की साठोत्तरी काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) हिंदी निबंध साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

अथवा

हिंदी की नई कविता की सामान्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट करते हुए उनके प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए।

क) नाटककार शंकर शेष का परिचय दीजिए।

ख) हिंदी के जीवनी – साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए।

ग) भारतेंदुयुगीन प्रतिनिधि कवियों का सामान्य परिचय दीजिए।

घ) प्रयोगवाद के उद्‌भव के कारण स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

क) गोदान।

ख) उपन्यासकार: फणीश्वरनाथ रेणु।

ग) कामायनी।

घ) प्रगतिवाद की विशेषताएँ।

○○○

Total No. of Questions : 5]

SEAT No. :

P985

[Total No. of Pages : 6

[5202] - 4014

M.A. (Part - II) (Semester - IV)

(HINDI) (हिंदी)

प्रश्नपत्र 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

क) भारतीय सहित्य

ख) लोकसाहित्य

ग) अनुसंधान प्रक्रिया : स्वरूप और क्षेत्र

(2013 Pattern) (Credit System)

समय 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

क) भारतीय साहित्य

प्रश्न 1) 'भारतीय साहित्य में वर्तमान भारत का बिंब दृष्टिगोचर होता है', समझाइए।

अथवा

भारतीय साहित्य का स्वरूप समझाते हुए उसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) ''बारोमास'' में वर्तमान ग्रामीण जीवन चित्रित हुआ है' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

''बारोमास' में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति हुई हैं'–साधार विवेचन कीजिए।

प्रश्न 3) रंगमंच एवं अभिनेयता के आधार पर 'नागमंडल' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'नागमंडल' की संक्षिप्त कथावस्तु लिखते हुए उसके शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

प्रश्न 4) 'खानाबदोश' में व्यक्त भारतीय समाज–जीवन पर एक निबंध लिखिए ।

अथवा

'खानाबदोश' के आधार पर भारतीय जीवन की समस्याओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) भारतीय साहित्य में मूल्य

ब) 'बारोमास' की भाषा

क) 'नागमंडल' का उद्देश्य

ड) 'खानाबदोश' का प्रतिपाद्य

Total No. of Questions : 5]

P985

[5202] - 4014
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
(HINDI) (हिंदी)
प्रश्नपत्र 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
ख) लोकसाहित्य
(2013 Pattern) (Credit System)

समय 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) लोकसाहित्य की विशेषताओं को समझाते हुए लोकवार्ता का स्वरूप स्पष्ट कीजिए.

अथवा

लोकसाहित्य के संकलन का उद्देश्य बताते हुए संकलन पध्दतियों का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 2) लोकगीत का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सोहर गीत और सावनगीत का परिचय दीजिए।

अथवा

लोकगाथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए 'ढोला मारू रा दूहा' का परिचय दीजिए।

प्रश्न 3) लोकनाट्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए भारतीय लोकनाट्य परंपरा का परिचय दीजिए ।

अथवा

महाराष्ट्र के प्रमुख लोकनाट्यों का परिचय दीजिए।

प्रश्न 4) लोकसाहित्य में प्राप्त प्रतीकात्मकता का सोदाहरण परिचय दीजिए।

अथवा

लोकसाहित्य में कहावतें एवं मुकरियों का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उनके साहित्यिक महत्व पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) लोकसाहित्य और समाजविज्ञान

ब) लोकसाहित्य संकलन की समस्याएँ

क) रामलीला का परिचय

ड) लोकसाहित्य में अलंकार योजना

Total No. of Questions : 5]

P985

[5202] - 4014
M.A. (Part - II) (Semester - IV)
(HINDI) (हिंदी)
प्रश्नपत्र 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक
ग) अनुसंधान प्रक्रिया: स्वरूप और क्षेत्र
(2013 Pattern) (Credit System)

समय 3 घंटे] *[पूर्णांक : 50*

सूचनाएँ :– 1) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1) अनुसंधान का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

अनुसंधान के लिए प्रयुक्त विभिन्न शब्दों के औचित्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2) अनुसंधान के प्रकारों का विवेचन कीजिए।

अथवा

'साहित्यिक अनुसंधान के प्रकारों में वर्णनात्मक, ऐतिहासिक तथा तुलनात्मक अनुसंधान अहम् भूमिका निभाते हैं।' – सिद्ध कीजिए।

प्रश्न 3) अनुसंधानकर्ता एवं शोध निर्देशक के गुणों पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

अनुसंधान की प्रक्रिया में सामग्री संकलन का महत्व विशद कीजिए।

प्रश्न 4) शोधप्रबंध लेखन में रूपरेखा और अध्याय – विभाजन का महत्व स्पष्ट कीजिए.

अथवा

पाठालोचन के मुख्य सिद्धांतों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 5) निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए।

अ) अनुसंधान में तार्किकता

ब) अंतर्विद्याशाखीय अनुसंधान

क) अनुसंधान के घटक

ड) साहित्येतर अनुसंधान